भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2290 का उत्तर

नासिक रोड पर मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब

2290. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे या किसी संबंधित एजेंसी ने विभिन्न परिवहन साधनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नासिक रोड पर मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब या एकीकृत स्टेशन भवन के लिए कोई योजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राज्य सरकार ने ऐसी किसी परियोजना का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो इसकी स्वीकृति और कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना, स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम या पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान जैसी योजनाओं के तहत इस परियोजना को लागू करने के लिए क्या विशिष्ट कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार ने इस परियोजना के लिए धनराशि आवंटित की है और यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन की संभावित समय-सीमा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार नासिक रोड पर आधुनिक परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) स्थापित करने पर विचार करेगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ड.): महाराष्ट्र राज्य में पड़ने वाले नासिक रोड रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए चिन्हित किया गया है।

नासिक रोड स्टेशन पर मास्टर प्लान की तैयारी शुरू कर दी गई है। मास्टर प्लानिंग और परियोजना की तैयारी करना गतिशील प्रक्रिया है, जिसमें वित्तपोषण के माध्यमों सहित अनुकूलन आवश्यक होता है और इस स्तर पर ऐसे अनुकूलन का विवरण और समय सीमा नहीं बताई जा सकती है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की आवश्यकता के अनुसार किया जाता हैं, जो परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन है।

हाल ही के वर्षों में, नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 2/3 से प्लेटफार्म संख्या 4 को जोड़ने वाले 3.66 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के विस्तार और दिव्यांगजन सुविधाओं से संबंधित कार्य का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, मार्ग में डिब्बों में पानी की व्यवस्था, पार्सल कार्यालय में सुधार के साथ-साथ प्लेटफॉर्म 1 से प्लेटफॉर्म 2/3 तक के रास्ते और ऊंची सतह वाले प्लेटफॉर्म के साथ-साथ प्लेटफॉर्म पर कवर और माल शेड में प्रकाश संबंधी कार्य की व्यवस्था की गई है।

'अमृत भारत स्टेशन योजना' दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म पर शेल्टर लगाना, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाऊंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से नासिक रोड स्टेशन सहित 132 स्टेशन महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं। इन 132 स्टेशनों में से 107 स्टेशनों पर विकास कार्य शुरू कर दिया गया है।

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार। यात्री सुविधाओं को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। महाराष्ट्र में नासिक रोड रेलवे स्टेशन मध्य रेलवे ज़ोन के अंतर्गत आता है और योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण हेतु मध्य रेलवे को वर्ष (संशोधित अनुमान 2024-25) के लिए आवंटित की गई निधि 1007.50 करोड़ रू है।

*****